



Mr.Vaibhav kadel



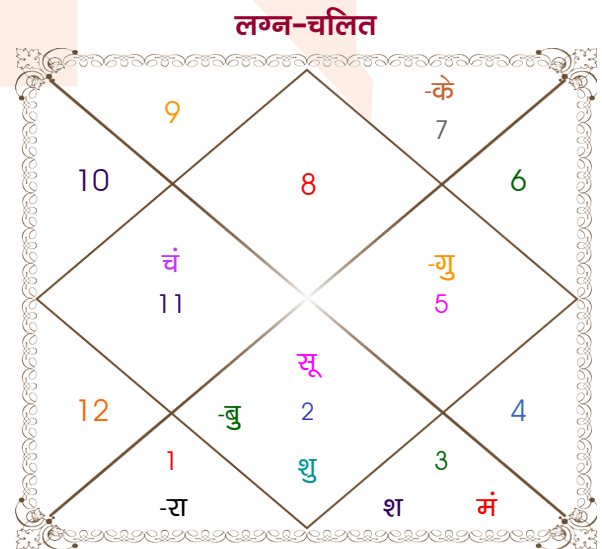
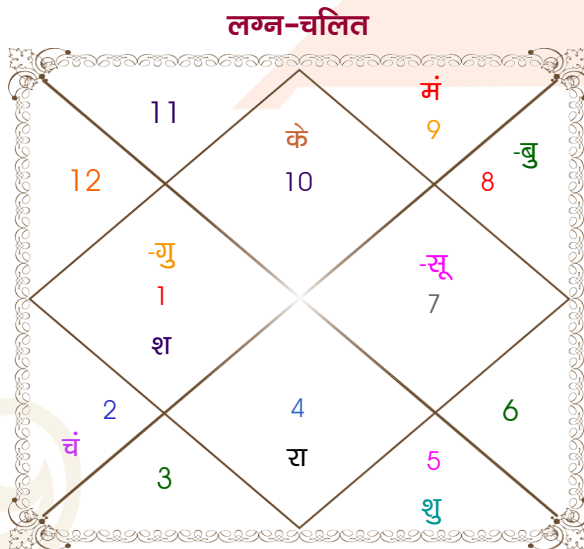
Ms.Suman

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120153304

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 28/10/1999 : _____ जन्म तिथि _____ : 09/06/2004
 गुरुवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 13:57:00 : _____ जन्म समय _____ : 19:35:00 घंटे
 घंटे 18:03:00 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 34:36:21 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jodhpur : _____ स्थान _____ : Jodhpur
 26:18:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:18:00 उत्तर
 73:08:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 73:08:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:37:28 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:37:28 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:43:47 : _____ सूर्योदय _____ : 05:44:27
 17:58:40 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:29:09
 23:51:01 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:54:58

विंशोत्तरी मंगल 4वर्ष 0मा 6दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 13वर्ष 5मा 21दि शनि	
04/11/2021		21:33:00	मक	लग्न	वृश्चि	27:19:10	30/11/2017	
04/11/2037		10:37:01	तुला	सूर्य	वृष	25:08:35	30/11/2036	
गुरु	23/12/2023	29:00:41	वृष	चंद्र	मिथु	22:06:16	शनि	03/12/2020
शनि	05/07/2026	14:22:45	धनु	मंगल	वृष	27:05:03	बुध	13/08/2023
बुध	10/10/2028	04:23:50	वृश्चि	बुध	सिंह	14:03:46	केतु	21/09/2024
केतु	16/09/2029	05:27:32	मेष	गुरु	वृष	16:49:18	शुक्र	21/11/2027
शुक्र	17/05/2032	24:08:58	सिंह	शुक्र	मिथु	23:12:20	सूर्य	02/11/2028
सूर्य	05/03/2033	20:35:22	मेष	शनि	मेष	19:12:25	चन्द्र	04/06/2030
चन्द्र	05/07/2034	14:48:05	कर्क	राहु	तुला	16:41:01	मंगल	13/07/2031
मंगल	11/06/2035	14:48:05	मक	केतु	कुंभ	12:52:46	राहु	19/05/2034
राहु	04/11/2037	19:01:24	मक	हर्ष	मक	21:20:14	गुरु	30/11/2036
		07:47:39	मक	नेप	वृश्चि	27:02:25		
		15:10:07	वृश्चि	प्लूटो				



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Mr.Vaibhav kadel का वर्ग मृग है तथा Ms.Suman का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Vaibhav kadel और Ms.Suman का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Vaibhav kadel मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Vaibhav kadel कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Suman मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

Pandit Sanjay Joshi

90, Amar Nagar, Pal Road

Jodhpur, Rajasthan, India

9214632011

panditsanjay.joshi@gmail.com

है। क्योंकि राहु Ms.Suman कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Vaibhav kadel तथा Ms.Suman में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



Pandit Sanjay Joshi

90, Amar Nagar, Pal Road
Jodhpur, Rajasthan, India
9214632011
panditsanjay.joshi@gmail.com